प्रेस विज्ञप्ति

लोक भवन, राँची

दिनांक : 08 मई, 2026 :-

(1) माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार से आज झारखण्ड विधानसभा सदस्य श्री सरयू राय ने लोक भवन, राँची में भेंट की तथा राज्यपाल महोदय को दिनांक 25 मई, 2026 को चूल्हापानी, लोहरदगा में आयोजित 'गंगा दशहरा' कार्यक्रम में सम्मिलित होने हेतु आमंत्रित किया।

(2) माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने आज राँची स्थित भगवान बिरसा मुंडा स्मृति उद्यान में बंगाली युवा मंच चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित 'बांग्ला सांस्कृतिक मेला-2026' के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि यह मेला केवल एक सांस्कृतिक आयोजन नहीं, बल्कि भारत की विविधतापूर्ण सांस्कृतिक विरासत, सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता की जीवंत अभिव्यक्ति है।

राज्यपाल महोदय ने आयोजन के लिए सभी आयोजकों को बधाई देते हुए कहा कि अपनी संस्कृति, भाषा और परंपराओं को सहेजना किसी भी समाज की पहचान और शक्ति का प्रतीक होता है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता उसकी विविधता है, जहाँ विभिन्न भाषाएँ, परंपराएँ और जीवन-शैलियाँ मिलकर 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को सशक्त बनाती हैं।

उन्होंने कहा कि बांग्ला संस्कृति साहित्य, संगीत, कला एवं सामाजिक चेतना के क्षेत्र में अपने समृद्ध योगदान के लिए विश्वविख्यात रही है। गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर और बंकिमचन्द्र चट्टोपाध्याय जैसे महान साहित्यकारों

ने अपने विचारों एवं रचनाओं के माध्यम से राष्ट्रभक्ति, मानवता और सामाजिक जागरूकता का संदेश दिया।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि बांग्ला संगीत, लोक परंपराएँ और सांस्कृतिक अभिव्यक्तियाँ हमारी साझा विरासत की अमूल्य धरोहर हैं। ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने तथा सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि झारखण्ड सदैव से विभिन्न संस्कृतियों के संगम की भूमि रहा है और बंगभाषी समाज ने यहाँ की सामाजिक एवं सांस्कृतिक चेतना को समृद्ध बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि आधुनिकता को अपनाते हुए अपनी संस्कृति एवं परंपराओं को भी समान महत्व देना आवश्यक है।उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में देश 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है तथा स्थानीय संस्कृतियों, परंपराओं और कलाओं को प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में एकता, सद्भाव और सकारात्मक ऊर्जा के संचार का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। उन्होंने सभी से अपनी सांस्कृतिक विरासत को गर्व के साथ आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

(3) माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार से संगीत नाटक अकादमी की अध्यक्षा डॉ० संध्या पूरेचा ने लोक भवन, राँची में शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर 'मीट द आर्टिस्ट' कार्यक्रम, लोक कलाकारों के संरक्षण तथा कला एवं संस्कृति के संवर्धन से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई।

राज्यपाल महोदय ने ग्रामीण एवं आर्थिक रूप से कमजोर कलाकारों को अधिकाधिक अवसर एवं सहयोग प्रदान किए जाने पर बल दिया। इस दौरान क्रिएटिव इकॉनमी, 'लर्निंग से अर्निंग' तथा नई शिक्षा नीति के अंतर्गत कला को प्रोत्साहन दिए जाने जैसे विषयों पर भी विचार-विमर्श हुआ।

इस अवसर पर संगीत नाटक अकादमी की महासभा के सदस्य एवं छाऊ केंद्र, चंदनकियारी के संयोजक डॉ० संजय चौधरी भी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि डॉ० संध्या पूरेचा ने अपने झारखण्ड प्रवास के दौरान विभिन्न गाँवों का दौरा कर लोक कलाकारों से संवाद भी किया।